संजय गांधी जैविक उद्यान में अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत बच्चे।

50 वर्ष के पेड़ों को संरक्षित किया जाएगा

जैव विविधता दिवस

पटना, कार्यालय संवाददाता। जैव विविधता संरक्षण में वृक्षों की भूमिका अहम है। वैसे वृक्ष जो आकार में बड़े और 50 वर्षों से अधिक पुराने, दुर्लभ प्रजाति के हैं, उन्हें संरक्षित किया जाना आवश्यक है।

ये बातें पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री नीरज कुमार सिंह ने अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर संजय गांधी जैविक उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में कही। मौके पर भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून के सेवानिवृत्त पूर्व निदेशक पीआर सिन्हा, प्रधान सचिव अरविंद कुमार चौधरी, डीके शुक्ला समेत अन्य शामिल थे। मौके पर बिहार हेरिटेज ट्री एप का शुभारंभ किया गया। साथ ही जैव विविधता पर्षद के लोगो का भी विमोचन किया गया। कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड क्रॉफ्ट्स के प्रिंसिपल डॉ. अजय कुमार पांडेय ने लोगो डिजाइन किया है। अंत में विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मौके पर पटना नगर निगम के जैव-विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ आशीष कुमार सिन्हा भी थे।

दुनिया भर में तेजी से घट रही जैव विविधता

पटना। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के कार्यालय में रविवार को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर जैव-विविधता, पोषण, सुरक्षा एवं मानव कल्याण विषय पर चर्चा किया गया। संस्थान के वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी डॉ. गोपाल शर्मा ने कहा कि दुनियाभर में जैव विविधता तेजी से घट रही है। पीआईबी के सहायक निदेशक संजय कुमार ने कहा कि आज के दौर में जैव-विविधता विषय पर ध्यान देने की जरूरत है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि आने वाले समय में पौधों और जानवरों के प्रजातियों में से 25 फीसदी विलुप्त अवस्था में है।